



## दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

---

क्या भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है?

---

## क्या भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है?

### संदर्भ

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के हालिया आँकड़ों के अनुसार, भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए बाजार विनिमय दरों (MER) के आधार पर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त कर लिया है। हालांकि, क्रय शक्ति समता (PPP) रैंकिंग के अनुसार, भारत 2009 से ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था रहा है।

### जीडीपी और भारत की आर्थिक रैंक के बारे में

- सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) एक निश्चित अवधि में किसी देश की सीमाओं के अन्दर उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है।
- सरकारें, अर्थशास्त्री और नीति निर्माता आर्थिक विकास का आकलन करने, नीतियाँ बनाने और वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं की तुलना करने के लिए जीडीपी पर निर्भर करते हैं।

### भारत की जीडीपी रैंकिंग: MER या PPP पद्धति

- भारत की जीडीपी रैंकिंग इस बात पर निर्भर करती है कि इसे बाजार विनिमय दरों (MER) या क्रय शक्ति समता (PPP) का उपयोग करके मापा जाता है या नहीं।
  - बाजार विनिमय दरों :** यह किसी देश की जीडीपी को मौजूदा विनिमय दरों का उपयोग करके अमेरिकी डॉलर में परिवर्तित करती है।
    - यह वैश्विक वित्तीय बाजारों में अर्थव्यवस्था के आकार को दर्शाती है, लेकिन जीवन-यापन की लागत में अंतर को ध्यान में नहीं रखती है।
  - क्रय शक्ति समता :** यह विभिन्न देशों में वस्तुओं और सेवाओं की सापेक्ष लागत के आधार पर जीडीपी को समायोजित करती है।
    - यह इस बात पर विचार करके आर्थिक ताकत का अधिक सटीक माप प्रदान करता है कि लोग वास्तव में अपनी आय से क्या खरीद सकते हैं।
    - PPP को प्रायः आर्थिक कल्याण का बेहतर उपाय माना जाता है क्योंकि यह जीवन-यापन की लागत में अंतर को ध्यान में रखता है।

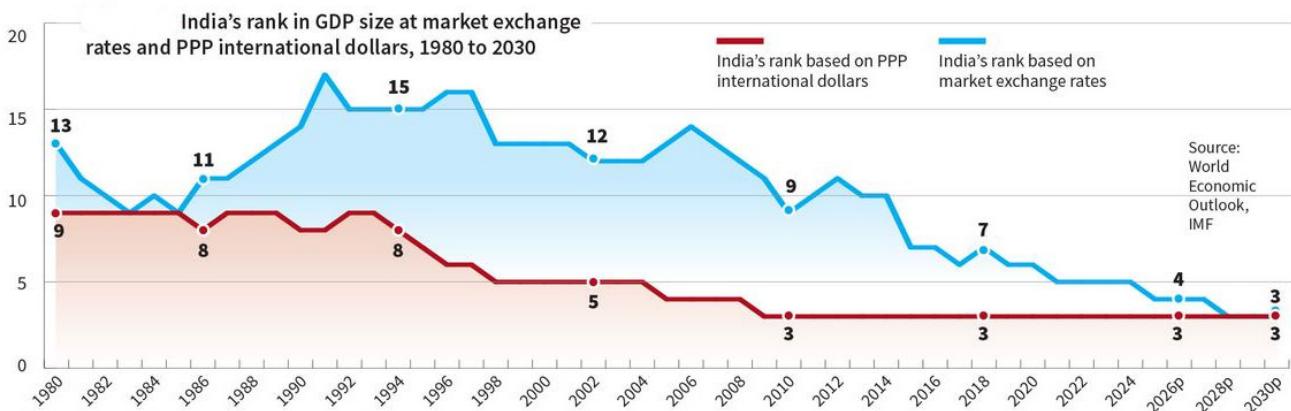
#### GDP: बाजार विनिमय दरों (MER)

पक्ष	विपक्ष
<ul style="list-style-type: none"> <li>वैश्विक वित्तीय बाजारों को प्रतिबिंबित करता है;</li> <li>विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए उपयोगी;</li> <li>मानकीकृत माप;</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>विनिमय दर में उतार-चढ़ाव (समय के साथ अत्यधिक अस्थिर);</li> <li>घरेलू क्रय शक्ति को प्रतिबिंबित नहीं करता;</li> <li>उभरते बाजारों में अस्थिरता;</li> <li>जीवन-यापन की लागत में बड़ी असमानता वाले देशों की तुलना करते समय भ्रामक।</li> </ul>

GDP: क्रय शक्ति समता (PPP)	
पक्ष	विपक्ष
<ul style="list-style-type: none"> <li>जीवन-यापन की लागत में अंतर को ध्यान में रखता है;</li> <li>दीर्घकालिक तुलना के लिए बेहतर;</li> <li>वास्तविक आर्थिक उत्पादकता को दर्शाता है;</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए कम प्रासंगिक;</li> <li>डेटा संग्रह चुनौतियाँ;</li> <li>आर्थिक शक्ति का अधिक आकलन (अनौपचारिक क्षेत्र और अवैतनिक श्रम शक्ति तुलना को विकृत करती है)।</li> </ul>

### जीडीपी बनाम प्रति व्यक्ति जीडीपी

- 2024 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी: \$2,711 (बाजार विनिमय दर), वैश्विक स्तर पर 144वें स्थान पर।
  - वियतनाम, जो 1991 में भारत से पीछे था, 2024 में प्रति व्यक्ति जीडीपी \$4,536 थी।
- PPP के अनुसार भी, भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 196 देशों में केवल 127वें स्थान पर है।



### विकास के प्रमुख कारक

- जनसांख्यिकीय लाभ: भारत में युवा और बढ़ती श्रमशक्ति है, जो इसकी आर्थिक विस्तार में योगदान करती है।
- तकनीकी नवाचार: देश ने डिजिटल परिवर्तन में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे उत्पादकता और दक्षता बढ़ी है।
- बुनियादी अवसंरचना विकास: सड़कें, रेलवे, और शहरी विस्तार में निवेश ने आर्थिक नींव को मजबूत किया है।
- वैश्विक व्यापार और विनिर्माण: भारत विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिससे विदेशी निवेश आकर्षित हुआ और निर्यात में वृद्धि हुई।

### आगामी चुनौतियाँ

- आय असमानता: आर्थिक प्रगति समान रूप से वितरित नहीं हुई है, जिससे धन और संसाधनों तक पहुँच में असमानताएँ बनी हुई हैं।
- रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा से संबंधित चिंताएँ:
  - GDP वृद्धि तो मजबूत है, लेकिन रोजगार सृजन अपेक्षाकृत धीमा रहा है।
  - यह सतत विकास, आय वितरण, स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर पर चिंताएँ उत्पन्न करता है।
- नीति सुधार: आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और कमजोरियों को दूर करने के लिए निरंतर संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है।

**आगे की राह: GDP से परे मापदंड GDP से आगे बढ़कर बहु-आयामी संकेतकों को अपनाने की आवश्यकता है, जैसे:**

- स्वास्थ्य परिणाम
- शैक्षिक उपलब्धि
- मूलभूत सेवाओं तक पहुँच
- आय समानता
- रोजगार की गुणवत्ता ताकि भारत के वास्तविक विकास की स्थिति को सटीक रूप से आँका जा सके।

### निष्कर्ष

- MER और PPP दोनों उपयोगी दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, लेकिन PPP को आर्थिक कल्याण का बेहतर मापक माना जाता है, क्योंकि यह जीवन यापन की लागत के अंतर को ध्यान में रखता है और वास्तविक क्रय शक्ति को दर्शाता है।
- हालाँकि, MER वैश्विक व्यापार और निवेश में भारत की स्थिति को समझने के लिए महत्वपूर्ण बना रहेगा।

Source: TH

### दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न:** भारत की रैकिंग बाजार विनिमय दरों (MER) और क्रय शक्ति समता (PPP) के आधार पर अलग-अलग है। आपकी राय में, कौन सी विधि भारत की आर्थिक शक्ति का अधिक सटीक प्रतिनिधित्व करती है, और क्यों?

